ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 09-06-2026

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-06-09 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-06-10	2026-06-11	2026-06-12	2026-06-13	2026-06-14
वर्षा (मिमी)	0.0	2.0	4.0	5.0	4.0
अधिकतम तापमान(से.)	38.0	39.0	38.0	37.0	36.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	25.0	25.0	24.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	48	55	62	57
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	10	14	20	22	17
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	9	12	12	10
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	140	140	170
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	2	4	5	4
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सप्ताह (2 से 8 जून) 0 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.0 से 40.0 डिग्री सेल्सियस और 22.6 से 25.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 58-86% और 29-66% के बीच रही, जबकि हवा पश्चिम, दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, उत्तर, पश्चिम और पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशाओं से 1.9 से 7.7 किमी प्रति घंटे की गति से चली। आगामी पूर्वानुमान में 2-5 मिमी हल्की बूंदाबांदी की संभावना है, जबकि अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 36°C से 39°C और 24.0°C से 25.0°C के बीच रह सकता है। उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व दिशाओं में हवा की गति 8-12 किमी प्रति घंटे के बीच रहने की संभावना है। 11 और 12 जून के लिए आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और सतह पर तेज हवाओं के संबंध में पीली मौसम चेतावनी जारी की गई है, जबकि अन्य दिनों में कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

गरज-चमक, बिजली गिरने, तेज हवाओं और सतह पर तेज हवाओं के लिए पीली चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

नियमित कृषि गतिविधियों में व्यवधान और पके हुए फलों का झड़ना और खराब होना।

सामान्य सलाहकार:

किसान और अन्य संबंधित समुदाय नियमित मौसम संबंधी जानकारी और वर्षा संबंधी अलर्ट के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। मौसम विज्ञान और बिजली गिरने से संबंधित डेटा के नियमित अपडेट के लिए "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे अन्य ऐप भी उपलब्ध हैं। ये सभी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं के लिए) और (आईओएस उपयोगकर्ताओं के लिए) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित अवधि के पूर्वानुमान के अनुसार, 05.06.2026 से 11.06.2026 के दौरान कम वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान का सामान्य रुझान रहेगा।

लघु संदेश सलाहकार:

मौसम विभाग के अनुसार, तेज हवाएं चलने की संभावना है, इसलिए पके हुए फलों को खराब होने से पहले ही तोड़ लेना चाहिए और मौजूदा पूर्वानुमानों के तहत किसी भी निर्धारित रसायनिक छिड़काव को स्थगित कर देना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की जल्दी पकने वाली किस्मों, जैसे गोविंद, नरेंद्र 118, नरेंद्र 97, साकेत 4 आदि के नर्सरी के पौधे 20 जून तक बोने चाहिए। सुगंधित धान किस्में - टाइप 3, तारावाड़ी बासमती, पूसा बासमती-1, बासमती-370, पंत सुगंध धान 15, पंत सुगंध धान-17, पंत सुगंध धान-21, पूसा सुगंध-2, पूसा सुगंध-3, पूसा सुगंध-4, पूसा-1121, पूसा सुगंध-5 की रोपाई 15 से 30 जून के बीच करनी चाहिए। धान के पौधे गीली और सूखी दोनों विधियों से तैयार किए जा सकते हैं। गीली विधि में, रोपण क्षेत्र में 15-20 दिन पहले पानी डालें ताकि खरपतवार अंकुरित हो सकें और खेत तैयार करते समय खेत में मिल जाएं। खेत को तैयार करने के लिए ऊपर बताई गई खाद को सूखी विधि से डालें और 10 वर्ग मीटर में 500 ग्राम बीज की दर से पंक्तियों में 5-10 सेंटीमीटर की दूरी पर बुवाई करें। बुवाई के बाद पानी दें। बीजों को 2 ग्राम/किलोग्राम की दर से 50% कार्बेन्डाजिम पाउडर से उपचारित करें। धान की क्यारियों को तेज धूप और तेज हवाओं से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए शेड नेट का प्रयोग करें।
मूँग	ज़ैद की हरी मूंग की फसल समय पर काट लेनी चाहिए, क्योंकि देरी से कटाई में बीन्स में दरार पड़ सकती है। जैसे ही 80 प्रतिशत फलियाँ पक जाएँ, उन्हें तोड़ लें और हरी पत्तियों को खेत में ही खाद के रूप में इस्तेमाल करें। कटाई का काम सूखे दिनों में ही करें।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	यूपीएएम-120 और पंत अरहर 291 जैसी जल्दी पकने वाली अरहर की किस्मों की बुवाई मध्य जून तक की जानी चाहिए। अच्छी पैदावार के लिए बीजों को 8 ग्राम/किग्रा की मात्रा में ट्राइकोडर्मा पाउडर से उपचारित करना चाहिए और फिर राइजोबियम और पीएसबी जैसे जैव उर्वरकों से उपचारित करना चाहिए। बुवाई शुष्क दिनों में की जानी चाहिए।
गन्ना	शरद ऋतु और वसंत ऋतु में बोई गई गन्ने की नई फसल को आवश्यकतानुसार सींचना चाहिए और नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। फसल में नाइट्रोजन का प्रयोग करना चाहिए और तने के चारों ओर मिट्टी चढ़ानी चाहिए (मिट्टी चढ़ाना)। खेती का काम सूखे दिनों में करना चाहिए।
मक्का	वसंत ऋतु में बोई गई मक्का की पकी हुई बालियों को बारिश शुरू होने से पहले तोड़ लेना चाहिए और बिक्री के लिए भेज देना चाहिए। फसल में पक्षियों को भगाने के उपाय किए जाने चाहिए।
मक्का	खरीफ मक्का की क्लस्टर किस्में जैसे तरुण, नवीन, किरण, नवजोत, प्रताप मक्का-1, पूसा क्लस्टर 3 और 4 बोई जा सकती हैं। बीज की दर 18-20 कि.ग्रा./हेक्टेयर रखी जा सकती है और बुवाई 60-75 सेमी की दूरी पर की जा सकती है। बुवाई शुष्क दिनों में की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	गोल बैंगन की बुवाई या रोपाई करनी चाहिए। रोपण शाम के समय करना चाहिए। पंक्ति से पंक्ति के बीच 75 सेमी और पौधे से पौधे के बीच 60-75 सेमी की पर्याप्त दूरी बनाए रखनी चाहिए। खेती का काम सूखे दिनों में करना चाहिए।
कद्दू	कद्दू की फसल में बेल सूखने की समस्या को नियंत्रित करें, संक्रमित और सूखी बेलों को काटकर नष्ट कर दें। जड़ों को 0.1% (1 ग्राम प्रति लीटर) की दर से कार्बेन्डाज़िम घोल से सींचें। खेती का काम सूखे दिनों में ही करें।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	तुड़ाई के समय किसी भी प्रकार के कीटनाशक का प्रयोग नहीं करना चाहिए। यदि आवश्यक हो, तो किसान 3 मिली/लीटर पानी में नीम का तेल मिलाकर जैविक रूप से प्रयोग कर सकते हैं। इसका प्रयोग सूखे दिनों में ही करना चाहिए।
मिर्च	किसानों को तैयार मिर्च की फसल की तुड़ाई पूरी करनी चाहिए, साथ ही यदि मिर्च की फसल का ऊपरी डंठल काला पड़ने के बाद सूखा रहा हो तो उसे हटा दें और 0.1% कार्बेन्डाजिम का घोल छिड़कें। फूल गिरने से बचाने के लिए नमी बनाए रखें। खेती के काम सूखे दिनों में ही करने चाहिए।
अदरक	मानसून के मौसम में फसलों की बुवाई की जा सकती है और उचित वृद्धि के लिए पर्याप्त मिट्टी की नमी बनाए रखनी चाहिए। खेती का काम सूखे दिनों में ही करना चाहिए।
हल्दी	मानसून के मौसम में फसलों की बुवाई की जा सकती है और उचित वृद्धि के लिए पर्याप्त मिट्टी की नमी बनाए रखनी चाहिए। खेती का काम सूखे दिनों में ही करना चाहिए।
आड़ू	गुठलीदार फलों की तुड़ाई करें और खेत में नियमित रूप से सिंचाई करें। सूखे दिनों में सिंचाई की जा सकती है।
नाशपाती	गुठलीदार फलों की तुड़ाई करें और खेत में नियमित रूप से सिंचाई करें। सूखे दिनों में सिंचाई की जा सकती है।
बेर	गुठलीदार फलों की तुड़ाई करें और खेत में नियमित रूप से सिंचाई करें। सूखे दिनों में सिंचाई की जा सकती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को टिटनेस, एंटरोटॉक्सिमिया और हेमरेजिक सेप्टिसीमिया के टीके लगवाएं। पशुओं को अत्यधिक गर्मी से बचाने के लिए छायादार पेड़ों का उपयोग करें। चारे की कमी से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा भंडारित करना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक का मिश्रण भी देना चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को ब्लैक लेग/ब्लैक क्वार्टर (BQ) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए। भैंसों को पानी में लोटने के लिए रखा जाना चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

पके हुए फलों और फलियों का झड़ना। नियमित कृषि गतिविधियों में व्यवधान।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

पके हुए फलों और फसलों की समय पर तुड़ाई करके उन्हें खराब होने से बचाने के लिए अच्छी तरह से भंडारित करना चाहिए। खेती-बाड़ी का काम सूखे दिनों में ही करना चाहिए।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details